हिन्दी माह, 2016 के आयोजन के संबंध में रिपोर्ट

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान में इस वर्ष 01-30 सितंबर, 2016 तक हिन्दी माह आयोजित किया गया । हिन्दी माह के दौरान विभिन्न संकाय सदस्यों की देखरेख में पांच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । मल्टी टास्किंग स्टाफ के लिए हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता(Hindi Sulekh Competition for MTS), हिन्दी निबंध प्रतियोगिता(HIndi Essay Competition), हिन्दी स्लोगन प्रतियोगिता(Hindi Slogan Competition), हिन्दी में टिप्पण व प्रारूप लेखन(Hindi Noting and Drafting Competition) तथा प्रशासनिक शब्दावली एवं अनुवाद प्रतियोगिता(Administrative Terminology and Translation Competition) का आयोजन किया गया । संस्थान में चल रहे सहायक अनुभाग अधिकारी(सीधी भर्ती) के लिए बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए एक हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया ।

2. संस्थान के ऑडीटोरियम-।। में दिनांक 28 सितम्बर, 2016 को सायं 4.00 बजे हिन्दी माह, 2016 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया । समारोह का आरंभ संस्थान की वरिष्ठ अनुवादक द्वारा समारोह की मुख्य अतिथि माननीय निदेशक महोदया डा. सुनीता एच. खुराना, अपर निदेशक कर्नल संजय कुमार शर्मा एवं उपस्थित सभी संकाय सदस्यों, अधिकारियों व कर्मचारियों का अभिवादन करके किया गया । तत्पश्चात, निदेशक महोदया तथा अपर निदेशक महोदय को सप्रप्रसं स्टाफ सदस्यों द्वारा पुष्पगुच्छ प्रदान किए गए । इस समारोह के लिए एएसओ(डीआर) के लिए आयोजित हिन्दी कविता-पाठ प्रतियोगिता के विजेताओं को भी आमंत्रित किया गया था ।

3. कार्यक्रम के अगले चरण में एएसओ(डीआर) के लिए आयोजित हिन्दी कविता-पाठ प्रतियोगिता की प्रथम पुरस्कार विजेता श्रीमती मोनिका गोस्वामी को उनका कविता-पाठ प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया । उनकी कविता का शीर्षक था 'दो कलियां' । उनके द्वारा रचित यह कविता उनकी जुड़वा पुत्रियों को समर्पित थी । इस कविता में उन्होंने मातृत्व का सुख प्राप्त करने तक के अपने सफर का उल्लेख किया । उन्होंने अपनी कविता के माध्यम से

यह संदेश भी दिया कि बेटियां बोझ नहीं होतीं और न ही उनके जन्म लेने पर माता-पिता के कंधे झुकते हैं । आज के समय में तो बेटियों ने अंतरिक्ष को भी नाप लिया है । उनकी इस कविता ने सभा में उपस्थित सभी जन को भाव-विभोर कर दिया । अगली प्रस्तुति थी हिन्दी कविता-पाठ प्रतियोगिता में पांचवा स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी श्री यासिर खान की । उन्होंने भी बड़े उत्तम तरीके से जीवन में आने वाले दोराहों, जहां निर्णय लेना कठिन हो जाता है, ऐसी दुविधाओं का वर्णन कविता रूप में किया । सही राह चुनना और उसपर दृढ़तापूवर्क चलना उनकी कविता का मुख्य संदेश था । उनकी प्रस्तुति पर भी दर्शकों ने खूब तालियां बजाई और उनकी सराहना की ।

4. तत्पश्चात, निदेशक, सप्रप्रसं डा. सुनीता एच. खुराना ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए । पुरस्कार वितरण के बाद निदेशक महोदया ने सभा को संबोधित किया । उन्होंने एएसओ(डीआर) प्रतिभागियों के उत्साह एवं उनके प्रस्तुतीकरण पर उनकी प्रशंसा की और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी । उन्होंने यह आशा व्यक्त की कि आगे भी वे इसी तरह भारत सरकार में पूरे उत्साह के साथ कार्य करते रहेंगे । उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी हमारी राजभाषा है और यह भारत सरकार की नीति है कि सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग किया जाए । उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकारी कामकाज में सरल और सहज हिन्दी का प्रयोग किया जाए । निदेशक महोदया ने अंत में सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उम्मीद की सभी पुरस्कार विजेता अपना अधिक से अधिक सरकारी कामकाज हिन्दी में करेंगे ।

5. तत्पश्चात, श्री पी.पी.अम्बष्ठ, उप निदेशक एवं प्रभारी, हिन्दी माह ने सभा को संबोधित किया । उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संस्थान में हिन्दी माह मनाए जाने के दौरान उन्होंने एफटीपी सैल को एएसओ(डीआर) के संबंध में विभिन्न मंत्रालयों को भेजे जाने वाले विविध प्रमाणपत्र केवल हिन्दी में भेजने के निदेश दिए थे । और यह कि वे स्वयं भी हिन्दी में कार्य करते हैं तथा हिन्दी में कार्य करना सरल है । उन्होंने एएसओ(डीआर) के विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की । उन्होंने हिन्दी एकक को

हिन्दी माह के सफल आयोजन पर बधाई भी दी । अंत में उप निदेशक (प्रशा.) श्रीमती आर. गायत्री ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि माननीय निदेशक महोदया ने अपने कर-कमलों से पुरस्कार बांटकर इनके मूल्य में वृद्धि की है । उन्होंने अपर निदेशक महोदय को अपना बहुमूल्य समय देने एवं सभी संकाय सदस्यों, जिन्होंने इस कार्यक्रम में अपना योगदान दिया को धन्यवाद दिया । उन्होंने विशेष तौर पर हिन्दी एकक की सराहना की कि हिन्दी माह का सम्पूर्ण कार्यक्रम बहुत ही कुशलतापूर्वक ढंग से सम्पन्न किया । उन्होंने प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई भी दी ।

6. अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

.....

हिन्दी कविता-पाठ प्रतियोगिता की प्रथम पुरस्कार विजेता अपनी कविता प्रस्तुत करते हुए ।

डा. सुनीता एच. खुराना, निदेशक, सप्रप्रसं सभा को संबोधित करती हुई ।